

From no |||

फर्द अहकाम

(नियम 26)

भोज भवालय उपखण्ड अधिकारी

मुकाम-रूपनगढ़ जिला अजमेर

..... श्री श्री रास .....

बनाम श्री श्री रास .....

किस्म मुकयमा :- दी. डी. डी. टी. टी. टी.

नंबर ..... 64 ..... वर्ष 2022

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल जज	नंबर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
02-05-23	<p>पजावली गाज पेश हुर्ट वकील प्रार्थी उपस्थित। प्रप्रार्थीगण अनुपस्थित। पैरोबार सरकार का जवाब प्रार्थना-पत्र पेश हुआ जिसे शामिल पजावली किया गया। वकील प्रार्थी व पैरोबार सरकार की बहस सुनी गयी। वकील प्रार्थी ने अपनी बहस में निवेदन किया कि प्रार्थी व प्रप्रार्थीगण संख्या 01 ता 05 की संयुक्त खातेदारी व कले कारत की भूमि ग्राम जाजोता में ख.न. 536, रकबा 3.89 हेक्टर ख.न. 540 रकबा 2.33 हेक्टर स्थित है। प्रार्थी व प्रप्रार्थीगण उक्त वादग्रस्त आराजियात में रेकर्ड में उक्त हिस्से अनुसार आविज कारत है उक्त भूमि पर आये दिन दोनो पक्षों के बीच विवाद होता रहता है। अतः प्रार्थी को प्रप्रार्थीगण के विरुद्ध पूर्व में जारी अस्थायी निषेधाज्ञा को मूल वाद के निस्तारण तक कन्फर्म किया जावे। पैरोबार सरकार ने अपनी बहस में निवेदन किया कि प्रकरण में किसी प्रकार का राजहित प्रभावित नहीं होता है। अतः उभय पक्ष बहस एवं पजावली में उपलब्ध दस्तावेजात के आधार पर अस्थायी निषेधाज्ञा के तीनों बिन्दु प्रथम हुस्तया मामला सुविधा का संतुलन एवं अप्रुणीय सति प्रार्थी के पक्ष में सिद्ध होते हैं।</p> <p>हमने उभय पक्ष की बहस पर मनन किया एवं पजावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अहमपन किया। उभय पक्ष बहस एवं पजावली में उपलब्ध दस्तावेजात के आधार पर</p>	



पार्सी द्वारा प्रस्तुत पार्सना-पत्र अंतर्गत धारा 22 राजाशासन अधिनियम 1955 का स्वीकार योग्य होने से काण स्वीकार किया जाता है तथा पूर्व में जारी अस्थायी निबंधना को मूल कांड से निस्ताण तक कुर्कम किया जाता है। पत्रावली कैसल शुमार होकर उई नम्बर से कम होकर शायिल उक्त है।

निर्णय आज दिनांक 02.05.2023 को मेरे द्वारा लिखा जाकर सरे-इजलास सुनाया गया।

02.5.23  
उपखण्ड अधिकारी  
रूपनगढ़ (अजमेर)

